05-01-2022

हिंदी भाषी छात्रों के लिए चीनी उद्योग मे क्रिस्टलीकरण एवं अपकेंद्रण की तकनीक बुक फायदेमंद

एनएसआई के डायरेक्टर प्रो. नरेंद्र मोहन अग्रवाल ने हिंदी भाषी क्षेत्र के छात्रों के लिए लिखी किताब

एचबीटीयू के कुलपति ने संस्थान में स्टूडेंट्स के लिए लिखी गई किताब का विमोचन किया

ब्रीफ़न्यूज़

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो नरेंद्र मोहन द्वारा हिंदी भाषा मे लिखी पुस्तक "चीनी उद्योग मे क्रिस्टलीकरण एवं अपकेंद्रण की तकनीक" का विमोचन आज हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कानपुर के कुलपति प्रो समशेर द्वारा आज संस्थान में किया गया। अपने के सम्बोधन में प्रो समशेर ने प्रो मोहन द्वारा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों कि प्रशंसा करते हुए कहा कि चीनी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था कि रीढ़ है जिसमे बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से सम्बन्ध रखने वाले तकनीक कामगार कार्य करते है। अतः इस प्रकार कि पुस्तक का लेखन अत्यंत सामयिक तथा हिंदी भाषी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है।

एनएसआई डायरेक्टर प्रोफेसर नरेंद्र मोहन अग्रवाल की छठवीं किताब

शुगर टेक्नोलॉजी एवं शुगर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारतीय लेखकों की पुस्तकों का नितांत अभाव देखते हुए प्रो नरेंद्र मोहन द्वारा गत वर्षों में पांच पुस्तकों का लेखन किया जा चुका है एवं इस क्रम में यह छठवीं पुस्तक है जो उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है प्रो नरेंद्र मोहन ने अपने सम्बोधन में कहा कि ये पुस्तक विशेषकर "शुगर बॉयलिंग सर्टिफिकेट कोर्सेज" के विद्यार्थियों एवं चीनी उद्योग में शुगर बॉयलिंग स्टेशन पर कार्यरत टेक्निकल स्टाफ को ध्यान में रखते हुए हिंदी में लिखी गयी है। इस कोर्स में अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों के हिंदी भाषी छात्र प्रवेश लेते है एवं किसी व्यावहारिक पुस्तक के हिंदी में उपलब्ध न होने के कारण वो अत्यंत कठिनाई का अनुभव करते थे। इस प्रकार कि पुस्तक उनको चीनी के क्रिस्टलीकरण तथा चीनी एवं शीरे के सेपरेशन की तकनीकों व प्रयुक्त मशीनरी का व्यावहारिक ज्ञान दे सकेगी।

चीनी उद्योग से जुड़े तकनीकी स्टाफ व विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी पुस्तक

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने लिखी पुस्तक, एचबीटीयू के वीसी प्रो. समशेर ने किया विमोचन

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति व निदेशक।

कानपुर, 4 जनवरी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने चीनी उद्योग में क्रिस्टलीकरण एवं अपकेंद्रण की तकनीक विषय पर आधारित एक पुस्तक लिखी है। मंगलवार को एनएसआई परिसर में सेमिनार हाल में हारकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी कानपुर के कुलपति प्रो. समशेर ने पुस्तक का विमोचन किया। एचबीटीयू के कुलपति ने कहाकि चीनी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से संबंध रखने वाले तकनीक कामगार काम करते है। इस प्रकार की पुस्तक लेखन अत्यंत सामयिक तथा हिन्दी भाषी क्षेत्रों के लिए विद्यार्थियों के लिए ये पुस्तक पढ़ना उपयोगी सिद्ध होगी। शुगर टेक्नोलॉजी एवं शुगर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में प्रो. नरेंद्र मोहन ने विगत वर्षों में पांच पुस्तकों का लेखन कर चुके है और ये छठवीं पुस्तक है,जोकि उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि ये पुस्तक विशेषकर शुगर बॉयलिंग सार्टीफिकेट कोर्स के विद्यार्थियों एवं चीनी उद्योग में शुगर बॉयलिंग स्टेशन पर कार्यरत टेक्निकल स्टाफ को ध्यान में रखते हुए हिन्दी में लिखी गई है। इस कोर्स में अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों के हिन्दी भाषी छात्र प्रवेश लेते है एवं व्यावहारिक पुस्तक के हिन्दी में उपलब्ध न होने के कारण वो अत्यंत कठिनाई का अनुभव करते थे। इस प्रकार की पुस्तक चीनी के क्रिस्टलीकरण तथा चीनी एवं शीरे के सेपरेशन तकनीकों व प्रयुक्त मशीनरी का व्यावहारिक ज्ञान दे सकती है।

एन यस आई के निदेशक द्वारा लिखी गई पुस्तक चीनी उद्योग क्रिस्टलीकरण का हुआ विमोचन

समय व्यूज
संवाददाता
अरुण जोशी

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो नरेंद्र मोहन द्वारा हिंदी भाषा में लिखी पुस्तक ‘चीनी उद्योग में क्रिस्टलीकरण एवं अपकेंद्रण की तकनीक का विमोचन आज हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कानपुर के कुलपति प्रो समशेर द्वारा आज संस्थान में किया गया। अपने सम्बोधन में प्रो समशेर ने प्रो मोहन द्वारा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों कि प्रशंसा करते हुए कहा कि चीनी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था कि रीढ़ है जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से सम्बन्ध रखने वाले तकनीक कामगार कार्य करते है। अत: इस प्रकार कि पुस्तक का लेखन अत्यंत सामयिक तथा हिंदी भाषी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है।

शुगर टेक्नोलॉजी एवं शुगर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारतीय लेखकों की पुस्तकों का नितांत अभाव देखते हुए प्रो नरेंद्र मोहन द्वारा गत वर्षों में पांच पुस्तकों का लेखन किया जा चुका है एवं इस क्रम में यह छटवीं पुस्तक है जो उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रो नरेंद्र मोहन ने अपने सम्बोधन में कहा कि ये पुस्तक विशेषकर ‘शुगर बॉयलिंग सर्टिफिकेट कोर्स’ के विद्यार्थियों एवं चीनी उद्योग में शुगर बॉयलिंग स्टेशन पर कार्यरत टेक्निकल स्टाफ को ध्यान में रखते हुए हिंदी में लिखी गयी है। इस कोर्स में अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों के हिंदी भाषी छात्र प्रवेश लेते हैं एवं

किसी व्यावहारिक पुस्तक के हिंदी में उपलब्ध न होने के कारण वो अत्यंत कठिनाई का अनुभव करते थे। इस प्रकार कि पुस्तक उनको चीनी के क्रिस्टलीकरण तथा चीनी एवं शीरे के सेपरेशन की तकनीकों व प्रयुक्त मशीनरी का व्यावहारिक ज्ञान दे सकेगी।

चीनी उद्योग में क्रिस्टलीकरण एवं अपकेंद्रण की तकनीक का विमोचन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो नरेंद्र मोहन द्वारा हिंदी भाषा मे लिखी पुस्तक चीनी उद्योग मे क्रिस्टलीकरण एवं अपकेंद्रण की तकनीकष् का विमोचन आज हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटीए कानपुर के कुलपति प्रो समशेर द्वारा आज संस्थान में किया गया। अपने सम्बोधन में प्रो समशेर ने प्रो मोहन द्वारा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों कि प्रशंसा करते हुए कहा कि चीनी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था कि रीढ़ है जिसमे बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से सम्बन्ध रखने वाले तकनीक कामगार कार्य करते है। अत- इस प्रकार कि पुस्तक का लेखन अत्यंत सामयिक तथा हिंदी भाषी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है। शुगर टेक्नोलॉजी एवं शुगर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारतीय लेखकों की पुस्तकों का नितांत अभाव देखते हुए प्रो नरेंद्र मोहन द्वारा गत वर्षों में पांच पुस्तकों का लेखन किया जा चुका है एवं इस क्रम में यह छटवीं पुस्तक है जो उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रो नरेंद्र मोहन ने अपने सम्बोधन में कहा कि ये पुस्तक विशेषकर ष्शुगर बॉयलिंग सर्टिफिकेट कोर्सष् के विद्यार्थियों एवं चीनी उद्योग में शुगर बॉयलिंग स्टेशन पर कार्यरत टेक्निकल स्टाफ को ध्यान में रखते हुए हिंदी में लिखी गयी है। इस कोर्स में अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों के हिंदी भाषी छात्र प्रवेश लेते हैं एवं किसी व्यावहारिक पुस्तक के हिंदी में उपलब्ध न होने के कारण वो अत्यंत कठिनाई का अनुभव करते थे। इस प्रकार कि पुस्तक उनको चीनी के क्रिस्टलीकरण तथा चीनी एवं शीरे के सेपरेशन की तकनीकों व प्रयुक्त मशीनरी का व्यावहारिक ज्ञान दे सकेगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है चीनी उद्योग

KANPUR (4 Jan): राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन की हिंदी भाषा में लिखी पुस्तक 'चीनी उद्योग में क्रिस्टलीकरण एवं उपकेंद्रण की तकनीक' का विमोचन किया गया. प्रोग्राम एचबीटीयू में आयोजित किया गया. इस अवसर पर कुलपति प्रो. समशेर ने प्रो. मोहन की तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि चीनी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है. जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से संबंध रखने वाले कामगार कार्य करते हैं. प्रो. नरेंद्र मोहन ने इस दौरान कहा कि पुस्तक विशेषकर 'शुगर बॉयलिंग सर्टिफिकेट कोर्स' में विद्यार्थियों एवं चीनी उद्योग में शुगर बॉयलिंग स्टेशन पर कार्यरत टेक्निकल स्टाफ को ध्यान में रखते हुए हिंदी में लिखी गई है.

Crystallisation, centrifugation in sugar industry explained

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Harcourt Butler Technological University Vice Chancellor Prof Shamsher Singh, while releasing a book titled 'Techniques of Crystallisation and Centrifugation in Sugar Industry' written by Director of National Sugar Institute, Kanpur, Prof Narendra Mohan, on Tuesday, lauded the efforts being made by the NSI under the leadership of Prof Mohan especially in the area of technical education.

He said that the sugar industry was the backbone of the rural economy in which a large number of technical personnel belonging to rural areas worked. He said this book was timely and shall be of immense utility for the students of Hindi-speaking areas.

He said there was a vacuum of books written by the Indian authors in sugar technology and sugar engineering disciplines and this was the sixth book in a row by Prof Mohan, which itself spoke of his commitment for the uplift of the status of the sugar industry. He said it was essential to impart knowledge in mother tongue as well as it helped the locals to understand better and be productive in the future endeavours.

Later, addressing the gathering, Prof Mohan said that this particular book had been written especially for the students of the sugar boiling certificate course and for those working at sugar boiling stations in sugar factories. He said in this course a large number of students were Hindi speaking and that too from the rural areas and in the absence of any such book, they faced a lot of difficulties. He said this book would give them not only an idea about the technique of crystallisation and centrifugation but also about the latest machinery which was now used for the purpose.

He said crystallisation took place in a vacuum boiling pan and the thick juice or syrup was fed to the vacuum pans and evaporated until saturated. He said seed crystals were added during a strike to grow sugar crystals and added that if the supersaturation level rose too high, new crystals formed spontaneously. He said similarly the centrifuges used in the production of sugar were designed for processing massecuite, a mixture of sugar crystals and molasses, which was produced by the crystallisation phase of sugar refining.

He said the centrifugal spun the massecuite in a perforated basket at speeds of up to 1,200 rpm. He said both the techniques had been explained in Hindi and in detail, facilitating better understanding to the students especially the Hindi belt.

Vice Chancellor of the HBTU, Prof Shamsher Singh releases the book written by NSI Director, Prof Narendra Mohan on Tuesday. Pioneer

the pioneer
LUCKNOW | WEDNESDAY | JANUARY 5, 2022

पुस्तक का किया विमोचन

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन की हिन्दी भाषा में लिखित पुस्तक 'चीनी उद्योग में क्रिस्टलीकरण एवं अपकेंद्रण की तकनीक' का विमोचन एचबीटीयू के कुलपति प्रो. समशेर ने किया। संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में प्रो. समशेर ने कहा कि यह पुस्तक छात्रों के साथ चीनी उद्योग में शुगर बॉयलिंग स्टेशन पर कार्यरत टेक्निकल स्टाफ को कारगर होगी। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि पुस्तक अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों के हिन्दी भाषी छात्रों को ध्यान में रख लिखी है। शुगर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारतीय लेखकों की पुस्तकें कम होने से छात्र अत्यधिक परेशानी अनुभव करते थे।

एनएसआई निदेशक की हिंदी में लिखी छठवीं पुस्तक का विमोचन

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने चीनी उद्योग में काम करने वालों की आसानी के लिए क्रिस्टलीकरण और अपकेंद्रण पर हिंदी में पुस्तक लिखी है। एचबीटीयू के कुलपति प्रोफेसर समशेर सिंह ने एनएसआई में 'चीनी उद्योग में क्रिस्टलीकरण एवं अपकेंद्रण की तकनीक' शीर्षक की पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि चीनी उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। शुगर टेक्नोलॉजी और शुगर इंजीनियरिंग क्षेत्र में हिंदी में लिखी पुस्तकों का अभाव है। प्रोफेसर मोहन ने अब तक चीनी उद्योग पर हिंदी में पांच पुस्तकें लिखी हैं। यह छठवीं पुस्तक है। उन्होंने कहा कि शुगर बॉयलिंग सर्टिफिकेट कोर्स के छात्रों और बॉयलिंग स्टेशन पर काम करने वाले टेक्निकल स्टाफ को इस पुस्तक से मदद मिलेगी। (ब्यूरो)